— अटलांटिक महासागर के नितल का उच्चावच (Relief features of the bottom of Atlantic Ocean) :—

(i) महाद्वीपीय मग्नतट (Continental Shelf) :—

इस महासागर के मग्नतट का विस्तार अन्य महासागरों की तुलना में सबसे अधिक है। कुछ गायों को छोड़कर इस महासागर के चारों ओर चौड़े मग्न तट पाये जाते हैं। उत्तरी अटलांटिक में मग्नतट प्रायः सर्वत्र सपाट एवं चौड़े हैं। उत्तरी अमेरिका के पूर्वी तट पर मग्नतट की चौड़ाई 240 से 400 किलोमीटर तक पाई जाती है। न्यू-फाउण्डलैण्ड के निकट ग्राण्ड बैंक तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी तट पर स्थित न्यूजर्सी राज्य के तटीय भाग के मग्नतट की चौड़ाई 144 किलोमीटर है। 10° से 50° दक्षिणी अक्षांश तक ब्राजील का मग्नतट बहुत सँकरा है। दक्षिणी अटलांटिक महासागर में अर्जेण्टाइना और आइलैण्ड के मग्नतट अधिक विस्तृत हैं। ग्रीनलैंड एवं आइसलैंड के मग्नतट

भी अधिक चौड़े हैं। उत्तरी अमेरिका और यूरोप महाद्वीप के निकट पाये जानेवाले समस्त द्वीपों की उत्पत्ति का मूल कारण महाद्वीपीय निमग्न तट का विस्तृत होना है। बिस्के की खाड़ी से अफ्रीका के सिरे तक मग्नतट संकरा है। उत्तरी-पश्चिमी यूरोप के मग्नतट अधिक चौड़े हैं। इस महासागर के मग्नतटों पर कई सीमान्त सागर तथा अनेक द्वीप पाये जाते हैं।

(ii) मध्य अटलांटिक कटक (Mid-Oceanic Ridges):—

अटलांटिक महासागर के मध्य में उत्तर दक्षिण दिशा में कटक स्थित है जिसे मध्य अटलांटिक कटक कहते हैं। यह कटक उत्तर में ग्रीनलैंड के तट से दक्षिण में बोवट द्वीप तक S की आकृति के 14,40 किलोमीटर लम्बाई में फैली है। उत्तरी अटलांटिक महासागर में इस कटक के उत्तरी भाग को उत्तरी मध्यवर्ती अटलांटिक कटक अथवा डॉल्फिन उभार भी कहते हैं। आइसलैंड और स्कॉटलैंड के मध्य इस कटक को वियतेवोमसन कटक कहते हैं। इस कटक पर जब की

की गहराई मात्र 1,100 मीटर है। न्यूफाउण्डलैण्ड और ग्रीनलैण्ड के मध्य इस तट को टैलीग्राफिक पठार कहा जाता है।

उत्तरी अटलांटिक महासागर में 50° उत्तरी अक्षांश के निकट इस कटक पर जल की गहराई 2000 से 4,000 मीटर तक पायी जाती है। 40° उत्तरी अक्षांश पर इस कटक का पूर्व में अफ्रीका तक विस्तार है। दक्षिणी हिन्द महासागर में इस कटक को दक्षिणी मध्यवर्ती कटक अथवा दक्षिणी अन्ध महासागर उभार अथवा चैलेंजर उभार कहते हैं। 40° दक्षिणी अक्षांश के निकट इस कटक की एक शाखा वालविस कटक अफ्रीका के निमग्न तट तक तथा इस कटक के निकट से दूसरी शाखा रायोग्राण्डे कटक, दक्षिणी अमेरीका के तट पर फैली है।

मध्यवर्ती अटलांटिक कटक का यद्यपि अधिकांश भाग जल में डूबा रहता है, किन्तु इस कटक की कई चोटियाँ समुद्र से ऊपर निकल आयी है

अगोर्स का पिको द्वीप इस कटक की सबसे ऊँची चोटी है जो सागर तल से 7000 से 8000 फीट ऊपर उठा है।

इसकी उत्पत्ति के विषय में पर्याप्त मतभेद है, महाद्वीपीय प्रवाह सिद्धान्त (वेगनर-टेलर) के अनुसार इस कटक की उत्पत्ति तनाव के कारण तथा उत्तर एवं दक्षिणी अमेरिका के पश्चिम दिशा में प्रवाह के कारण मानी जाती है।

इस तरह अटलांटिक महासागर में मध्यवर्ती कटक की स्थिति अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

Next class:

(iii) द्रोणी या बेसिन

(iv) महासागरीय गर्त